



ELCOMA – Lighting Industry's Safe Disposal initiatives under EPR



Consumer Awareness – Newspaper Ads, Social Media & Radio Ads

कचरा साफ करने को लगेंगे डिस्पोजल बैग

गुडगांव, 22 दिसम्बर (ब्यूरो): बिजली के बल्ब सहित विभिन्न तरह के उपकरणों का कचरा साफ करने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल शुरू किया जा रहा है। सिग्निफाई नाम की कंपनी देशभर से तकरीबन पैंतीस लाख से अधिक बिजली के बल्बों का निस्तारण कर रही है। सीएफएल और द्युबलाइट्स और अन्य उपकरण जो बेकार हो चुके हैं उनके सुरक्षित तरीके से निस्तारण करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके लिए कंपनी के पेशेवर लोग लोगों को शिक्षित करेंगे। इसके लिए शहरी क्षेत्र में जगह-जगह डिस्पोजल बैग लगाए जाएंगे जहां लोग बेकार बिजली के उपकरणों को डाल सकते हैं। सिग्निफाई कंपनी जिसे पहले फिलीप्स के नाम से जाना जाता रहा है अब अपने विक्रय केंद्रों पर इन बेकार उपकरणों को इकट्ठा करेगी और उन उपकरणों का पुर्ननिर्माण करेगी।

सिग्निफाई ने भारत में 500 रिटेलर्स तक अपने सुरक्षित डिस्पोजल प्रोग्राम का विस्तार किया

नई दिल्ली, (बीबीसी): लाइटिंग के क्षेत्र में सीएफएल आगामी कंपनी सिग्निफाई (पूर्व में फिलिप्स लाइटिंग) के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम का दायरा 500 रिटेलर्स तक बढ़ाया गया है और इसमें देश के 28 से अधिक राज्य शामिल हैं। इस प्रोग्राम का उद्देश्य ग्राहकों के बीच लाइटिंग उत्पादों के सेफ डिस्पोजल (सुरक्षित निपटान) के बारे में जागरूकता फैलाना है। कंपनी ने अपने तक इस प्रोग्राम के अंतर्गत भारत में 3.2 मिलियन से अधिक लैम्प एकत्र किये हैं।

ग्राहकों को मुफ्त लाइटिंग उत्पादों जैसे कि सीएफएल और द्युबलाइट्स के सुरक्षित निपटान के बारे में शिक्षित करने के लिए भारत में दिसंबर 2016 में इस प्रोग्राम को शुरू किया गया था। ग्राहक देश भर में

कंपनी के 500 रिटेल आउटलेट्स में मौजूद छात्रों से डिजिटल विधि में डिस्पोजल बैग में अपने अपने लाइटिंग उत्पादों को डिस्पोजल और कर सकते हैं। इन उत्पादों को फिर एकत्र किया जाता है और बचती के एक सर्टिफिकेट मैकेनिज्म के अनुसार सुरक्षित तरीके से डिस्पोजल-ऑफ किया जाता है।

कंपनी द्वारा विवरण विभिन्न माध्यमों जैसे कि टोनी विज्ञापन, डिजिटल केम्पेन, पेरिफेरल प्रमोशन के जरिये संपूर्ण भारत में स्कूलों, कॉलेजों और रेडिएट बेल्टकेयर एडिटरियल सब एडिटर प्रकाशित करते हैं लाइटिंग उत्पादों के सुरक्षित निपटार के बारे में जागरूकता फैलाने का रणनीति है। 16 मई 2018 को फिलिप्स लाइटिंग का नाम बदलकर सिग्निफाई रखा गया था। सिग्निफाई के कानूनी नाम को 2019 की शुरुआत में भारत में अपडेट किया जाएगा।

भारत में सिग्निफाई ने 500 रिटेलर्स तक अपने सुरक्षित डिस्पोजल प्रोग्राम का विस्तार किया

नई दिल्ली। लाइटिंग के क्षेत्र में वैश्विक आगामी कंपनी सिग्निफाई (पूर्व में फिलिप्स लाइटिंग) के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम का दायरा 500 रिटेलर्स तक बढ़ाया गया है और इसमें देश के 28 से अधिक राज्य शामिल हैं। इस प्रोग्राम का उद्देश्य ग्राहकों के बीच लाइटिंग उत्पादों के सेफ डिस्पोजल (सुरक्षित निपटान) के बारे में जागरूकता फैलाना है। कंपनी ने अभी तक इस प्रोग्राम के अंतर्गत भारत में 3.2 मिलियन से अधिक लैम्प एकत्र किये हैं।

ग्राहकों को मुफ्त लाइटिंग उत्पादों जैसे कि सीएफएल और द्युबलाइट्स के सुरक्षित निपटान के बारे में शिक्षित करने के लिए भारत में दिसंबर 2016 में इस प्रोग्राम को शुरू किया गया था। ग्राहक देश भर में

कंपनी के 500 रिटेल आउटलेट्स में मौजूद छात्रों से डिजिटल विधि में डिस्पोजल बैग में अपने अपने लाइटिंग उत्पादों को डिस्पोजल और कर सकते हैं। इन उत्पादों को फिर एकत्र किया जाता है और बचती के एक सर्टिफिकेट मैकेनिज्म के अनुसार सुरक्षित तरीके से डिस्पोजल-ऑफ किया जाता है।

कंपनी द्वारा विवरण विभिन्न माध्यमों जैसे कि टोनी विज्ञापन, डिजिटल केम्पेन, पेरिफेरल प्रमोशन के जरिये संपूर्ण भारत में स्कूलों, कॉलेजों और रेडिएट बेल्टकेयर एडिटरियल सब एडिटर प्रकाशित करते हैं लाइटिंग उत्पादों के सुरक्षित निपटार के बारे में जागरूकता फैलाने का रणनीति है। 16 मई 2018 को फिलिप्स लाइटिंग का नाम बदलकर सिग्निफाई रखा गया था। सिग्निफाई के कानूनी नाम को 2019 की शुरुआत में भारत में अपडेट किया जाएगा।

सिग्निफाई ने भारत में 500 रिटेलर्स तक अपने सुरक्षित डिस्पोजल प्रोग्राम का विस्तार किया

नई दिल्ली। लाइटिंग के क्षेत्र में वैश्विक आगामी कंपनी सिग्निफाई (पूर्व में फिलिप्स लाइटिंग) के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम का दायरा 500 रिटेलर्स तक बढ़ाया गया है और इसमें देश के 28 से अधिक राज्य शामिल हैं। इस प्रोग्राम का उद्देश्य ग्राहकों के बीच लाइटिंग उत्पादों के सेफ डिस्पोजल (सुरक्षित निपटान) के बारे में जागरूकता फैलाना है। कंपनी ने अभी तक इस प्रोग्राम के अंतर्गत भारत में 3.2 मिलियन से अधिक लैम्प एकत्र किये हैं।

ग्राहकों को मुफ्त लाइटिंग उत्पादों जैसे कि सीएफएल और द्युबलाइट्स के सुरक्षित निपटान के बारे में शिक्षित करने के लिए भारत में दिसंबर 2016 में इस प्रोग्राम को शुरू किया गया था। ग्राहक देश भर में

कंपनी के 500 रिटेल आउटलेट्स में मौजूद छात्रों से डिजिटल विधि में डिस्पोजल बैग में अपने अपने लाइटिंग उत्पादों को डिस्पोजल और कर सकते हैं। इन उत्पादों को फिर एकत्र किया जाता है और बचती के एक सर्टिफिकेट मैकेनिज्म के अनुसार सुरक्षित तरीके से डिस्पोजल-ऑफ किया जाता है।

कंपनी द्वारा विवरण विभिन्न माध्यमों जैसे कि टोनी विज्ञापन, डिजिटल केम्पेन, पेरिफेरल प्रमोशन के जरिये संपूर्ण भारत में स्कूलों, कॉलेजों और रेडिएट बेल्टकेयर एडिटरियल सब एडिटर प्रकाशित करते हैं लाइटिंग उत्पादों के सुरक्षित निपटार के बारे में जागरूकता फैलाने का रणनीति है। 16 मई 2018 को फिलिप्स लाइटिंग का नाम बदलकर सिग्निफाई रखा गया था। सिग्निफाई के कानूनी नाम को 2019 की शुरुआत में भारत में अपडेट किया जाएगा।

सिग्निफाई के सुरक्षित डिस्पोजल प्रोग्राम का विस्तार नई दिल्ली। ग्लोबल कंपनी सिग्निफाई ने भारत में सुरक्षित डिस्पोजल प्रोग्राम का विस्तार किया

नई दिल्ली। ग्लोबल कंपनी सिग्निफाई ने भारत में सुरक्षित डिस्पोजल प्रोग्राम का विस्तार किया है। इस कार्यक्रम का दायरा 500 रिटेलर्स तक बढ़ाया गया है। इसका उद्देश्य ग्राहकों के बीच लाइटिंग उत्पादों के सेफ डिस्पोजल (सुरक्षित निपटान) के बारे में जागरूकता फैलाना है। कंपनी ने 32 लाख लैम्प एकत्र किए हैं। फिलिप्स लाइटिंग का नाम बदलकर सिग्निफाई रखा है।

Be a part of Planet We, a Philips Lighting initiative that is bringing an environmentally efficient and safe way to dispose of CFLs and tubelights

Know more: lighting.philips.co.in/company/epr#

PHILIPS

Let's make a better world together.

PlanetWe

A Philips Lighting safe disposal initiative

Philips Lighting India

Be a part of Planet We, a Philips Lighting initiative that is bringing an environmentally efficient and safe way to dispose of CFLs and tubelights.

Know more: <http://www.lighting.philips.co.in/company/epr#>

PHILIPS

Let's make a better world together.

PlanetWe

A Philips Lighting safe disposal initiative

Consumer Awareness – Newspaper Ads



SURYA

Energising Lifestyles

We care for the Environment

You can deposit End of Life Fluorescent & other Mercury Containing Lamps Here

Visit Surya at :
www.surya.co.in
 or
 Call : 1800 102 5657
 (10.00AM to 5.30PM)

We comply with
E-waste Rules-2016

KASHMIR TIMES, JAMMU 3
Wednesday, February 26, 2019

MISCELLANEOUS

'A new kind of threat': CRPF DG

NEW DELHI: In an address to a group of officers, the Director General of Central Reserve Police Force (CRPF) said that the force is facing a new kind of threat. He said that the force is not only facing a threat from within the country but also from outside. He said that the force is not only facing a threat from within the country but also from outside. He said that the force is not only facing a threat from within the country but also from outside.

Modi lauds The Art of Living's initiatives to fight menace of drugs in India

64,000 college students participate in the launch of Drug Free India Campaign on the ground, about 1 crore students from 12000 colleges join through website

NEW DELHI: Prime Minister Narendra Modi on Tuesday lauded the initiatives of The Art of Living Foundation to fight the menace of drugs in India. He said that the foundation has been successful in launching the Drug Free India Campaign, which has already attracted the participation of 64,000 college students on the ground and about 1 crore students from 12,000 colleges through the website.

India, Pak trade heavy fire in Rajouri

RAJOURI: India and Pakistan traded heavy fire in the Rajouri district of Jammu and Kashmir on Tuesday. The Indian army said that it had fired back at the Pakistani forces who had fired first. The Pakistani army also said that it had fired back at the Indian forces who had fired first.

Army porter hurt in Mandhara mine blast

MANDHARA: A porter of the Indian army was injured in a mine blast in the Mandhara district of Jammu and Kashmir on Tuesday. The blast occurred while the porter was carrying a load of explosives. The injured porter was taken to a nearby hospital for treatment.

Adviser Kumar visits Brig Singh, DIG Kumar in army hospital

JAMMU: A senior adviser of the Indian army visited Brigadier Singh and DIG Kumar in the army hospital in Jammu on Tuesday. The adviser was accompanied by a medical team to check on the health of the two officers. Both officers are recovering well from their injuries.

Join the Green Side

SURYA is a green initiative to promote environmental awareness and sustainable living. It encourages people to use eco-friendly products and services, reduce waste, and conserve energy. Join the Green Side today and make a difference.

DIFFERENT VIEWS OF CURFEW RELAXATION IN JAMMU ON TUESDAY.

-PT photo/report Bhawan







Consumer Awareness – Newspaper Ads



DAILY EXCELLENCE, JAMMU

WEDNESDAY, DECEMBER 26, 2019 (PAGE 2)

Christmas celebrated across State with religious fervour, gaiety

BJP pays glowing tributes to Vajpayee on Suhassan Diwas

SBI

Ex IAS officer declares Kashmir 'free' in fiction

FREE workers breathe Valley-wide agitation

Kashmir's FREE

SAFE DISPOSAL OF FLUORESCENT LAMPS

BEST TIME TO BUY

6 DAYS TRIAL

ALTO 800 ₹66,000* **ALTO K10 ₹61,000***

DAILY EXCELLENCE, JAMMU

WEDNESDAY, DECEMBER 26, 2019 (PAGE 2)

Vibrant education sector foundation of strong nation: Zulfikar

Millions' aravind policy, anomaly to under-prioritise national matter: Nataraj

Sat for time-bound implementation of schemes in HCU sector

Employees seek hike in medical allowance

HC bans FTL on municipal laws through video-conferencing

Hindostani Marg to remain temporarily closed for shifting of ropeway cabins

SAFE DISPOSAL OF FLUORESCENT LAMPS

CK BIRLA GROUP

orient electric switch to smart

SAFE DISPOSAL OF FLUORESCENT LAMPS

As per the Government of India, E-waste management rules-2016, an initiative of Orient Electric Limited under the guidance of J&K Pollution Control Board, Jammu & CPCB for the Safe Disposal of Fluorescent Lamps.

We hereby declare that Fluorescent Lamps contain a small amount of Mercury (Hg) and it can be harmful if mishandled. Therefore, please ensure a safe and proper disposal of the lamp.

For information on the safe disposal, please refer to ELCOMA website: www.elcomaindia.com

As per our Extended Producer's Responsibility Plan, we will collect all the used fluorescent lamps of the Orient brand at our dealer points and the scheme of compensation (Discount on the submission of end-of-life products as defined under the E-waste management rules - 2016) will be Rs 5/- payback for CFL and Rs 2/- for FTL products. This will be in the form of a discount on

For dealer details, please contact:
Jammu - Monica Electricals: Ph-9779097987, Ward no. - 57, opposite Rmor Flour Mills, Gogyal, Jammu-180010
Email: customer.connect@orientelectric.com

Fans • Home Appliances • Lighting • Switchgear

Consumer Awareness – ELCOMA – Newspaper Insert



SAFE DISPOSAL FOR CFLs AND FLUORESCENT TUBES

As per Ministry of Environment, Forests and Climate Change (MoEFCC), E-Waste Rules and CPCB Guidelines, we are required to safely dispose all used CFLs and Fluorescent Lamps.

Please Handover your Fused / Used Lamps to your RWA

We have placed collection boxes in various RWA offices. We will collect all lamps deposited in this box and dispose them scientifically and safely.

CFL and Fluorescent Lamps contain a small quantity of Mercury, which is one of the 8 hazardous elements declared by UNEP. Though Indian CFLs contain less than 5mg of Mercury and that too in solid pellet form that does not spill or evaporate, the safe disposal of these lamps is mandatory.

List of RWAs where ELCOMA has installed collection boxes :

Airside <ul style="list-style-type: none"> BPMCHS, Kaveri Apts Mandakini Enclaves Ganga Apartment Tara Apartments Gangotri Enclave Arsival Apartments Kashi Apartments Kaveri Apartments Ganga Apartments 	Lajpat Nagar <ul style="list-style-type: none"> Neighbourhood Residents Ass. RWA Block-I RWA Block-B RWA Block-A 	Sarita Vihar / Jasola <ul style="list-style-type: none"> RWA Sector-8 SFS Flats RWA Sector-7 RWA Pocket-C RWA Pocket-H RWA Pocket-K RWA Pocket-B 	Hauz Khas <ul style="list-style-type: none"> B-1 & G Block, RWA R-Block, Residents Association
Chittaranjan Park <ul style="list-style-type: none"> RWA Pocket-S2 RWA M Block RWA N Block RWA G Block RWA P Block RWA D Block RWA F Block RWA Block-A 	Mahliya Nagar <ul style="list-style-type: none"> B-Block, Shivastik Apartments RWA Navjivan Vihar Pragati Park RWA, H-Block RWA Panchsheel Enclave RWA Samik Farm 	South Delhi <ul style="list-style-type: none"> RWA Defence Colony RWA E-Block East of Kailash E Block, GK II NIS Complex, GK IV RWA R-Block HausKhas B-1 & G Block RWA HausKhas Nerhu Apartments, Kalkaji Outash View Apartments, Kalkaji Sarai Radha Apartment, Krishna Nagar 	Rest of Delhi <ul style="list-style-type: none"> Ridge View Association, New Rajinder Nagar Miradweep Apartment Palpangari Prashad Apartments Palpangari

ELCOMA

सुरक्षा का समाधान सीएफएल और फ्लोरोसेंट ट्यूबों के लिए

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), ई-वेस्ट नियम और सीसीसीई दिशानिर्देशों के अनुसार, हमें सभी इस्तेमाल किए गए सीएफएल और फ्लोरोसेंट लैंप को सुरक्षित ढंग से निपटाने की आवश्यकता है।

कृपया अपने फ्यूज और इस्तेमाल किये गये बल्ब और ट्यूब लाइट को RWA के दफ्तर में जमा कराएं

हमने विभिन्न RWA कार्यालयों में बक्से रखे हैं। हम बाँक्स में जमा सभी बल्बों को इकट्ठा करेंगे और उन्हें वैज्ञानिक और सुरक्षित रूप से निपटावेंगे।

सीएफएल और फ्लोरोसेंट लैंप में पारे की थोड़ी मात्रा होती है, जो यूएनईपी द्वारा घोषित 8 खतरनाक तत्वों में से एक है। हालांकि, भारतीय सीएफएल में 5mg से कम पारा होता है और वह भी ठोस गोली के रूप में जो फैलता या वाष्पित नहीं होता है, इन लैंपों का सुरक्षित निपटान अनिवार्य है।

SUPPORTING ORGANIZATIONS

ELCOMA

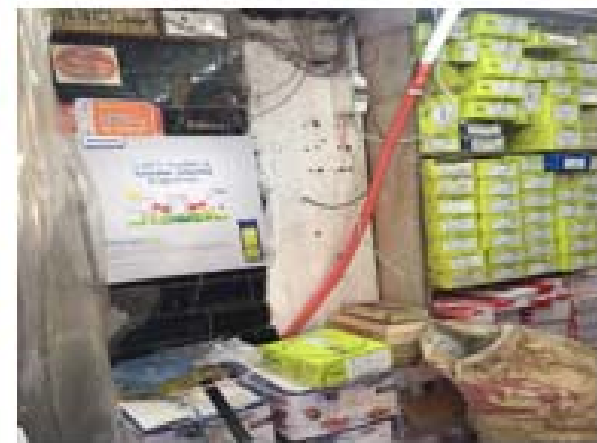
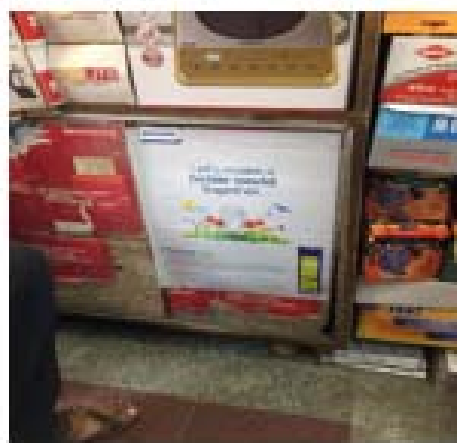
Message to RWA
In case we have not been able to reach you, please contact Mr. Vivek Kumar
Mob. : +91 7091749296 / E-mail: info@elcomaIndia.com / www.elcomaIndia.com
for immediate supply of Box and collection of Fused Lamps



Consumer Awareness – TV Commercials & Consumer Offers Schemes



Efforts Made for Collection – Posters placed at More than 500 Retailers across India



Efforts Made for Collection – Collection Bags placed at More than 500
Retailers across India

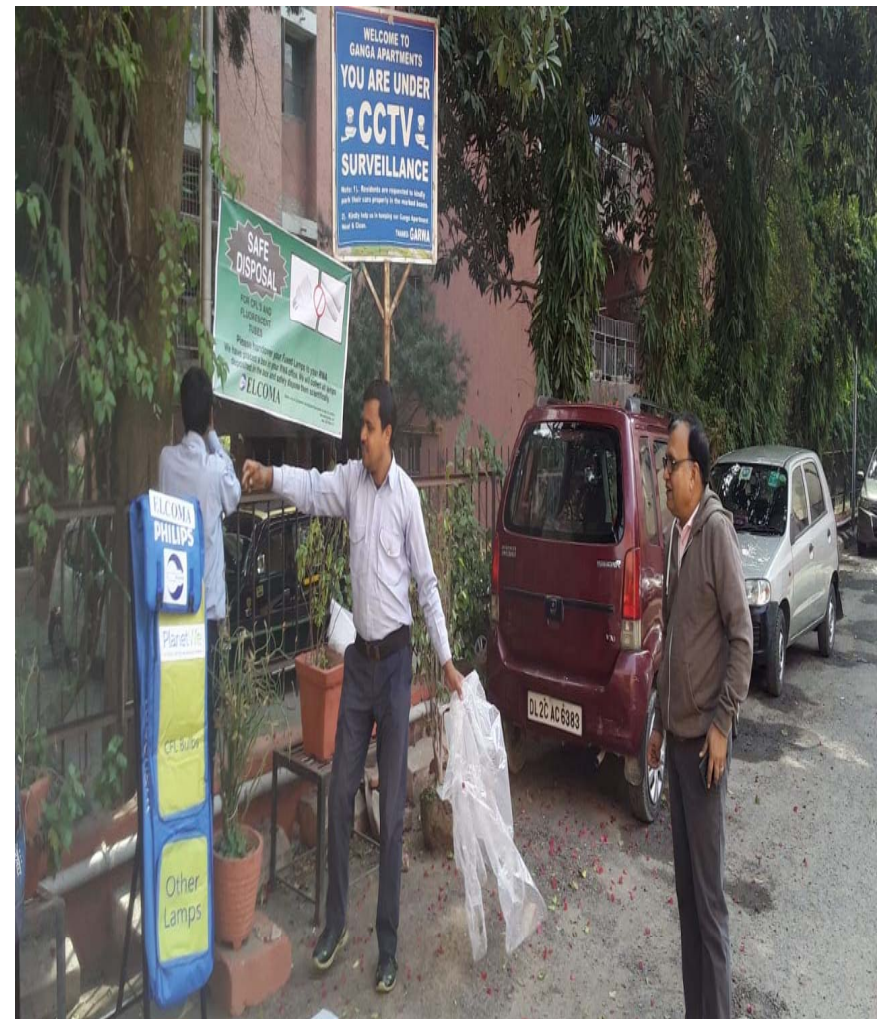




EPR Collection Pilot Project - RWA



EPR Collection Pilot Project - RWA





EPR Collection Pilot Project

Fact Sheet : CFL/FTL Safe Disposal Pilot Project in Delhi/NCR

Pilot Program Start Date		1-Jan-19
Pilot Program Status Date		30-Sep-19
Duration		9 Months
Sl. No.	Item	Data
A	No of RWAs (Societies) Covered	116
B	Total No of Apartments	54,116
C	Total Population covered	216,464
D	Total No of CFL Points covered	432,928
E	Total No of CFL Bulbs Collected and Safely Disposed as on date	531
F	Total No of FTL Tubes Collected and Safely Disposed as on 30.09.2019	920
G	% of CFL sockets replaced	0.12%
H	% of FTL sockets replaced	0.21%
I	Total No of CFL + FTL Replaced	1451
J	Total % of CFL + FTL Sockets Replaced	0.34%
K	Total Cost of Collect CFL+FTL	1,505,340
L	Total Cost of Collect Per (CFL+FTL)	1037
Inputs		
- Break safe Bags placed at all RWAs		
- Banners displayed at various points at RWAs		
- T-shirts worn by all staff " I Support CFL Safe Disposal Program"		
- Official circular to all homes		
- Newspaper inserts at 2 lakh households		



Industry Comments on EPR Collection Targets

- Despite several initiatives, consumer awareness and structured collection programs, results are discouraging.
- CFLs have reached End of Life Cycle & almost all manufacturers have stopped the production.
- Other Mercury containing lamps production has also reduced significantly due to fast pace country wide disruptive penetration of LED Lamps and Fixtures.
- Suggest removal of CFL from E-waste Rules at the earliest.



Thank You